

Fourteenth Lok Sabha**Session : 10****Date : 01-03-2007****Participants : [Advani Shri Lal Krishna](#), [Singh Dr. Manmohan](#)**

Title: Regarding the statement made by the Prime Minister outside the House, when the House was in Session, about the arrest of Ottavio Quattrocchi in Argentina.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछले महीने की 23 तारीख को संसद का सत्र आरम्भ हुआ और प्रातःकाल हमने राष्ट्रपति का अभिभाषण सुना लेकिन उसी दिन शाम को अचानक मुझे पत्रकारों से यह सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिस के बारे में सीबीआई को तलाश थी और सीबीआई ने इंटरपोल को कह कर उसके विरुद्ध रैड कॉर्नर नोटिस निकाले थे, वह दूर अर्जेंटीना में गिरफ्तार हो गया और उस रैड कॉर्नर नोटिस के आधार पर पकड़ा गया। मुझे इस बात की बहुत खुशी हुई क्योंकि मैं किसी समय उस विभाग के साथ जुड़ा रहा हूँ। मुझे याद है, मैं जब पहली बार अपने कार्यकाल में फ्रांस गया था तो मैंने मांग करके कहा कि मैं इंटरपोल का ऑफिस लेआन में देखना चाहूंगा। मैं देखने गया कि उनकी कैसी व्यवस्था है और सब कुछ कैसे चलता है। हमारी ओर से जब भी किसी व्यक्ति के खिलाफ रैड कॉर्नर नोटिस निकलता है और उसकी गिरफ्तारी इंटरपोल के माध्यम से होती है तो स्वाभाविक खुशी होती है। थोड़ी देर बाद मुझे पत्रकारों से सूचना मिली कि उसकी गिरफ्तारी अर्जेंटीना में 6 तारीख को हुई थी, मैंने अन्दाजा लगाया था कि वह उसी 23 तारीख को गिरफ्तार हुआ होगा तब मैं समझ नहीं पाया कि 6 तारीख को गिरफ्तारी हुई, उस समय देश के लिए अच्छा समाचार था तो यह खबर हमें क्यों नहीं दी गई? इतना ही नहीं, मैं उसी समय सोचने लगा कि आज प्रातःकाल राष्ट्रपति के अभिभाषण में भी इसका कोई उल्लेख क्यों नहीं किया गया? उसका कहीं भी जिक्र क्यों नहीं है? इसलिए 24 तारीख को हमने चाहा कि हम इस सवाल को उठा कर सरकार से जानकारी लें कि क्या मामला है और इतने दिन तक इस बात को छुपा कर क्यों रखा गया? जिस देश में इस बात पर गर्व किया जाता है कि अगर आम जनता से कोई बात छुपी है तो राइट टू इनफॉर्मेशन एक्ट के आधार पर वे जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहां संसद और देश को जानकारी नहीं दी गई कि यह कैसे हुआ? 24 तारीख को क्या हुआ, कैसे हुआ, उसकी मैं चर्चा नहीं करूंगा लेकिन इतना ही कहूंगा कि आगे चलकर यह भी पता लगा कि वहां पर जब कोर्ट में यह मामला, उसी अपराधी जिसका नाम है ओट्टेवियो क्वात्रोची, के दूसरे संदर्भ में आया तब भी सरकार की ओर से जो वहां पर काउंसिल थे, उन्होंने वहां के सुप्रीम कोर्ट को जानकारी नहीं दी कि वह तो वहां गिरफ्तार हो चुका है और उसके बारे में जो कार्रवाई करनी है वह की जाएगी। इन सब बातों के बारे में सदन में धीरे-धीरे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है और हमारा कोई दायित्व है, इसी कारण जीवन में पहली बार मैंने सरपेंशन ऑफ क्वैश्चन ऑवर का नोटिस स्वयं दिया। मैं उन घटनाओं को दोहराना नहीं चाहता हूँ, खास तौर से इस कारण से क्योंकि आज सरकार की ओर से हमें कहा गया है कि क्वात्रोची के विाय को ले करके विस्तार से आगे चर्चा करेंगे। लेकिन बीच में यह बात आ गई कि हमारी ओर से लगातार कहा जाता रहा कि इस विाय में सदन माननीय प्रधानमंत्री से जानना चाहता है कि वास्तविक स्थिति क्या है और प्रधानमंत्री इस बारे में आगे क्या कार्रवाई कर रहे हैं? बहुत प्रयत्न करने के बाद इतना ही हुआ है कि यहां पर मिनस्टर ऑफ स्टेट, पार्लियामेंटरी अफेयर ने बयान दिया और प्रधानमंत्री ने इम्प्रॉम्प्टू प्रेस कांफ्रेंस में जो कहना था, उन्होंने कहा। हम एनडीए के लोग लगातार इस विाय के संबंध में मिलते रहे, उन्होंने कहा कि जिस मूल विाय पर आपत्ति की थी वह बरकरार है, ज्यों की त्यों है, उसका निवारण तो जब पूरी चर्चा होगी तब होगा और तब पूरे सवालों के बारे में पूछा जाएगा, बैंक एकाउंट्स के बारे में भी पूछा जाएगा और आज की स्थिति के बारे में भी पूछा जाएगा कि अब क्या हो रहा है। लेकिन बीच में जो बात हुई है वह उचित नहीं है। आज प्रातःकाल से लेकर यहां पर अध्यक्ष जी और अन्य लोगों से चर्चा हुई, उसके अंत में यह निर्णय आया कि जहां से बात शुरू हुई वहीं से फिर से शुरू करें जिससे संसद का जो गतिरोध है वह समाप्त हो जाए और जो सामान्य कार्यवाही होनी चाहिए वह होगी, इसी कारण मैंने इन बातों को थोड़ा उल्लेख किया है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि ऐसे अवसरों पर प्रधानमंत्री जी जो भी कहना चाहें, सदन में आकर कहें तो यह उचित है, लेकिन उसे बाहर कहना उचित नहीं है जबकि मांग हो रही है कि हम इस महत्वपूर्ण विाय पर सिर्फ प्रधानमंत्री जी से ही जवाब सुनना चाहते हैं। इसलिए जो कुछ हुआ उचित नहीं हुआ इसी कारण यह गतिरोध बना रहा।

मुझे इस समय कुछ और कहना नहीं है, सिवाय इसके कि विगत दिनों में भ्रटाचार और अपराधीकरण, दो ऐसे मसले हैं जिनके बारे में सरकार को बहुत सी बातों का उत्तर देना पड़ेगा। अब इसमें यह विाय और जुड़ गया है क्योंकि यह बात तय हुई है कि इस विाय पर, क्वात्रोची के मामले पर चर्चा बाद में होगी। इसीलिए मैं अभी कुछ और नहीं कहता हूँ, सिवाय इसके कि हिंदुस्तान में लोकसभा के 14 आम

चुनाव हुए हैं और मैंने 14 आम चुनावों में शुरू के आम चुनावों से लेकर आज के आम चुनाव देखे हैं और देखा है कि अनेक विायों से मतदाता प्रभावित होता है। लेकिन कभी-कभी ऐसी स्थिति आती है कि बाकी सब विाय गौण हो जाते हैं और एक प्रमुख मुद्दा सब पर छा जाता है। वा 1977 में एमेरजेंसी के कारण सारा निर्णय हो गया, वा 1984 में श्रीमती इन्दिरा गांधी जी की आतंकवादियों ने हत्या की, उसके कारण सारे मतदाता प्रभावित हुए और इसी प्रकार से 1989 में संसद के सदस्य इतने क्षुब्ध हो गए कि आप सहित सबने इस्तीफा दे दिया, उस बोफोर्स कांड ने 1989 के चुनाव को पूरी तरह से प्रभावित किया।^[r2]

और उस कांड के बारे में जब चर्चा होगी, तब हम चर्चा करेंगे।

लेकिन आज मैं इतना कहना चाहता हूं कि इस विाय पर अगर विपक्ष ने इतने जोर से मामला उठाया और उसे आगे बढ़ाया तो उसका एक जस्टिफिकेशन है। कभी-कभी लोग मुझे कहते थे कि बोफोर्स अब पुराना हो गया। मैं कहता हूं कि बोफोर्स पुराना होते हुए भी आज अगर मैं आपके ही अपने भाणों को कोट करने लगूं तो आपको भी शायद आश्चर्य होगा कि आपने उस समय क्या-क्या कहा है।

अध्यक्ष महोदय : आश्चर्य क्यों होगा।

श्री लाल कृण आडवाणी (गांधीनगर) : उसकी तुलना में यहां पर आज जो विपक्ष के लोग बैठे हैं, वे बहुत संयम की भाणा का प्रयोग करते हैं और बहुत संतुलित ढंग से बात रखते हैं।...(B⁹E'ÉvÉÉxÉ)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, अभी प्राइम मिनिस्टर के स्टेटमेंट के बारे में बोलें।

श्री लाल कृण आडवाणी : आज भी इसके कारण यह प्रस्ताव आया कि गतिरोध दूर करने के लिए यह उपाय अपनाया जाए और हमने सहज ही उसे अपना लिया। मुझे खुशी है कि इस मामले में सदन के नेता, संसदीय कार्य मंत्री और सुरेश पचौरी जी तीनों ने अपने प्रयत्न करके इस गतिरोध को दूर करने के लिए यह सब किया।

MR. SPEAKER: I am thankful to all sides for this.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: It is not a debate. It was only one issue.

... (Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, I would like to know whether you would allow a discussion on this issue or not.

MR. SPEAKER: A discussion will be allowed. May I recall one or two events?

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. Let me explain. कभी-कभी स्पीकर को भी सुनिये, कभी-कभी हमें भी कुछ बोलने का हक है। On the first day itself, I had said that the matter could be raised, and I would call the hon. Leaders of different parties. Even I had gone to the extent of finding out from the Government and they agreed to respond through the Leader of the House. But that was not acceptable.

... (Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA : But they did not agree.

MR. SPEAKER: I do not know who are 'they'. You are not saying who are they. Therefore, I have never said that the debate will not be allowed. The question is, as you all know, that this is a Budget Session where the President's Address and the Motion of Thanks to our hon. Rashtrapatiiji always get a priority. Therefore, after that it will be considered. The Government has never said no and I have never said no. But there has been a suggestion that some observations by the hon. Prime Minister are alleged to have been made outside the House. They wanted an explanation from the hon. Prime Minister, if I am not wrong. That is what was said to me that the Prime Minister might explain why he had made such a statement. I am not saying anything on the merit. Since the hon. Prime Minister is here, it is for him to respond.

... (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : He should restrict to that point only.

MR. SPEAKER: He will stick to only that. I am not withholding any opportunity for debate on the main issue and as Shri L.K. Advani himself has said, there will be a proper debate.

... (*Interruptions*)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): The hon. Prime Minister should be present at the time of discussion.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : हमने इसी सवाल पर कार्य स्थगन प्रस्ताव दिया है।

अध्यक्ष महोदय : इस इश्यु पर कार्य स्थगन नहीं होता है। आप इतने सीनियर मैम्बर हैं।

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH): Sir, I have listened with great respect to the statement made by the hon. Leader of the Opposition. Let me say that it has been the consistent stand of our Government that we do not shy away from any discussion in this House. This was made quite clear to you Sir, at the very beginning of the Session.

As far as a factual statement is concerned, my colleague, Shri Suresh Pachauri, made that statement in both the Houses. Even though he was not allowed to make that statement, a statement was placed on the Table of the House. I repeat that we are ready for any discussion as may be decided by the floor managers with the approval of the hon. Speaker and we will welcome any such discussion.

As far as what I said outside is concerned, it was not a Press Conference. I commented on the election results and somebody asked me what about the Quattrocchi affair. I said that as far as we are concerned, we have done no wrong; that we have allowed and will allow the CBI to pursue the case with full freedom. I repeat that it was not my intention in any way to hurt the sentiments of any Member or the sentiments of the Opposition. That was never my intention nor did I say anything that we would give that sort of impression.

MR. SPEAKER: Now let us take item number 22. Let us very solemnly discuss this matter. But before that I have said that I will allow Shri Ramji Lal Suman. But I would like to know whether it relates to the Central Government or not.[\[a3\]](#)

MR. SPEAKER: I wish at least some notice was given to me.

... (*Interruptions*)